News सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-144
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

बिहार सिटी चीफ

आज का विचार

उस भाषा के साहित्य का दुर्भाग्य तय है, जहाँ आलोचक महान हों, कवि नहीं।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, बुधवार 28 अगस्त 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

शिक्षकों और बच्चों की सुरक्षा को लेकर पटना DM ने लिया बड़ा फैसला

बाढ़ग्रस्त इलाकों के 76 स्कूलों को बंद करने का आदेश

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना। पटना स्थित गंगा नदी में जलस्तर बढ़ने से कई इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। जहां के स्कूलों में भी पानी भर गया है। इसके बावजूद शिक्षक बच्चों को पढ़ाने के लिए स्कूल नाव से जाते थे। लेकिन दानापुर में एक शिक्षक की गंगा नदी में डूबने से मौत के बाद शिक्षक काफी खौफ में हैं और बिना लाइफ जैकेट के सरकारी नाव पर चढ़ने से परहेज कर रहे हैं।

शिक्षकों और बच्चों की समस्या को देखते हुए पटना डीएम ने पटना जिले के बाढ़ग्रस्त इलाकों में चल रहे 76 स्कूलों में पठन पाठन फिलहाल बंद कर दिया है। बताया जाता है कि शनिवार तक इन स्कूलों को बंद किया गया है। बाढ़, बख्तियारपुर, दानापुर,मनेर, फतुहा, मोकामा व पटना सदर के कई स्कूलों को बाढ़ के कारण बंद किया गया है। बता दें कि पटना के दानापुर में 23 अगस्त को दो नावों की टक्कर के बाद BPSC शिक्षक 25 वर्षीय अविनाश कुमार की गंगा नदी में डूबने से मौत हो गयी थी। पानी के तेज बहाव में वो बह गये लेकिन अभी तक लाश का कोई अता-पता नहीं चल सका। घटना दानापुर थाना क्षेत्र के फक्कड़ महतो घाट की थी। 23 अगस्त दिन शुक्रवार की सुबह 8 बजे अविनाश अन्य शिक्षकों

के साथ स्कूल जा रहे थे तभी यह घटना हुई थी। इस घटना के बाद लाश की तलाश में एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोर लगातार लगे रहे लेकिन कोई अता पता नहीं चल सका। इस घटना के बाद नाव से नदी पार कर स्कूल जाने वाले शिक्षक काफी डरे हुए हैं।

वही शिक्षक की मौत के बाद सरकार की नींद खुली और आनन-फानन में यह फैसला लिया गया कि बाढ़ग्रस्त इलाके में तैनात शिक्षकों के आवागमन के लिए घाटों पर सरकारी नाव की व्यवस्था की जाएगी। हरेक नाव पर Life Jacket पर्याप्त संख्या में उपलब्ध रहेगा। वही गोताखोर की भी तैनाती की जाएगी। शिक्षा विभाग ने तमाम डीएम को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया था। जिसके बाद दानापुर के नासरीगंज स्थित गंगा घाट पर बीपीएससी शिक्षकों के लिए विशेष नाव की व्यवस्था तो की गई लेकिन लाइफ जैकेट गायब था। जिसके कारण शिक्षकों ने नाव पर चढ़ने से मना कर दिया। गंगा घाट पर स्पेशल नाव खड़ी थी लेकिन लाइफ जैकेट नहीं रहने के कारण बीपीएससी शिक्षकों ने नाव पर चढ़ने से मना कर दिया।

दानापुर में एक शिक्षक की गंगा नदी में डूबने से मौत से गुस्साएं शिक्षकों ने यह फैसला लिया। कहा कि घाट पर नाव की व्यवस्था तो कर दी गयी है लेकिन लाइफ जैकेट मुहैया नहीं कराया गया है। गंगा का जलस्तर काफी बढा हुआ है। जिसके कारण तेज लहर और उफान देखा जा रहा है। ऐसे में नाव पर चढ़ना खतरे से खाली नहीं है। जब तक लाइफ जैकेट की व्यवस्था नहीं की जाएगी वो नाव से यात्रा नहीं करेंगे। अपनी जान जोखिम में नहीं डालेंगे। जान है तो जहान है। शिक्षकों के इस विरोध के बाद शिक्षा विभाग ने बाढ़ग्रस्त इलाकों के स्कूल को बंद करने का आदेश दे दिया।

शिक्षकों का कहना है कि बाढ़ग्रस्त इलाके के स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने के लिए गंगा घाट पर 12 सरकारी नाव की व्यवस्था की गयी है लेकिन 25 लाइफ जैकेट ही उपलब्ध कराया गया है। शिक्षकों की संख्या सैकड़ों में है जबकि लाइफ जैकेट बहुत कम संख्या में हैं ऐसे में बिना लाइफ जैकेट के कोई नाव पर चढ़ना नहीं चाह रहे हैं। एक सुर में शिक्षकों ने कह दिया है कि बिना लाइफ जैकेट के वो नाव पर नहीं चढ़ेंगे और अपनी जान खतरे में नहीं डालेंगे। शिक्षा विभाग ने सभी डीएम को नाव और लाइफ जैकेट का प्रबंध कराए जाने का निर्देश दिया था लेकिन ऐसा नहीं दिख रहा है। जिसे लेकर शिक्षकों में खासा आक्रोश देखने को मिल रहा है। वही शिक्षा विभाग ने गंगा बढ़े जलस्तर को देखते हुए दियारा इलाके के तमाम स्कूलों को शनिवार तक बंद रखने का आदेश दिया है।

बता दें कि पटना में 23 अगस्त को दो नावों की टक्कर के बाद BPSC शिक्षक 25 वर्षीय अविनाश कुमार की गंगा नदी में डूबने से मौत हो गयी। पानी के तेज बहाव में वो बह गये लेकिन अभी तक लाश का कोई अता-पता नहीं चल सका। अविनाश ने पहले बाइक को नाव पर चढ़ाया फिर खुद नाव पर चढ़ने लगे। इसी दौरान पीछे से आ रही दूसरी नाव ने टक्कर मार दी। जिसके कारण अविनाश गंगा नदी में गिर गये। उन्हें तैरना नहीं आता था जिसके कारण वो नदी के तेज बहाव में बह गये। एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोर ने लगातार खोजबीन की लेकिन कोई अता-पता नहीं चल सका।

अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे धंधेबाज

नशे के सौदागार के खिलाफ सहरसा-गया अरवल और मोतिहारी में कार्रवाई

सहरसा। सहरसा पुलिस ने 184 लीटर विदेशी शराब बरामद किया है। पिकअप और बाईक भी जब्त किया गया है। वही तीन शराब तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। अवैध शराब का सेवन, निमार्ण, बिकी भण्डारण एवं परिवहन को रोकने के लिए शराब तस्करों के खिलाफ पुलिस विशेष सर्च अभियान चला रही है। इसी क्रम में सदर थाने के पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर सफेद रंग की पिकअप वैन और एक बाइक को पकड़ा गया। जिसमें विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद किया गया। पुलिस ने तीन शराब तस्करों को पकड़ा और पिकअप की तलाशी ली तो उसमें रखे ROYAL STAGE का 06 कार्टून कुल मात्रा 54 ली0 एवं IMPERIAL BLUE का 15 कार्टून कुल मात्रा-130.500 ली0 विदेशी शराब बरामद किया गया। बरामद विदेशी शराब की मात्रा कुल 184.500 लीटर, 01 पिकअप, 03 मोबाईल और 01 मोटरसाईकिल जब्त किया गया है। गिरफ्तार अपराधकर्मी का नाम व पता दिलखुश कुमार, पे0 - दुखा साह, सा0 - गंगजला, वार्ड नं0 - 15 थाना व जिला - सहरसा, बब्लु शर्मा, पे0 - गणेशी शर्मा, प्रमोद शर्मा पे0 - महादेव शर्मा दोनों सा0 - समेली वार्ड नं0 - 16 थाना - कुरसैला, जिला - कटिहार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

वही गया में भी पुलिस ने नशे के सौदागरों के खिलाफ कार्रवाई की है जहां से शराब की बड़ी खेप जब्त की गयी है। 50 लाख रुपए के देशी विदेशी अवैध शराब को गया पुलिस ने बरामद किया है। गया के डेल्हा थाना क्षेत्र के बागेश्वरी स्थित बम बाबा पहाड़ी के गुफा में पुलिस ने छापेमारी कर 300 लीटर बीयर दो पेटी में रखी15 बोतल विदेशी शराब और दो बोरी से 170 लीटर महुआ अवैध शराब बरामद किया है। डीएसपी टू धर्मेंद्र भारती ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि अवैध शराब व्यवसाय बद्री पासवान और ज्योति पासवान द्वारा बम बाबा पहाड़ी के गुफा में बड़े पैमाने पर अवैध शराब रखकर बिक्री किया जा रहा है। यहीं से एजेंट के माध्यम से अवैध शराब की ट्रैफिकिंग की जा रही थी। दोनों का इलाके में इतना खौफ था कि डर से कोई भी कुछ नहीं बोलता था। बद्री पासवान और ज्योति पासवान रेलवे स्टेशन के आसपास के होटल में शराब पहुंचाने और लॉटरी खिलाने हथियार सप्लाई की धंधे से जुड़ा है। बरामद शराब की कीमत 50 लाख आंकी जा रही है। वही 2 दिन पूर्व दोनों हाथ में हथियार लहराते नजर आए थे। दोनों का वीडियो वायरल भी हुआ था लेकिन बद्री पासवान और ज्योति पासवान फिलहाल पुलिस के चंगुल से फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। दोनों की संपत्ति की जांच की जा रही है और सीसीए लगाने की अनुशंसा की जा रही है। जबकि मोतिहारी में किराना दुकान के आड़ में गांजा की तस्करी होता था। यहां से जिले भर में गांजा की सप्लाई की जाती थी। इस बात की गुप्त सूचना एसपी कांतेश कुमार मिश्र को मिली थी। जिसके बाद उन्होंने डीएसपी सुबोध कुमार के नेतृत्व में टीम बनाई और पुलिस टीम को बड़कागांव के ठीकहा में छापेमारी के लिए भेजा। जहां से छापेमारी के दौरान 320 किलो गांजा के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्त नगर पंचायत के फुलवार निवासी श्रीरामपुरी है। बरामद गांजा सत्तर लाख का बताया जा रहा है। डीएसपी सुबोध कुमार ने बताया कि गांजा तस्कर की पहचान कर ली गयी है गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। वही अरवल पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार भील के निर्देश पर अरवल जिले के कलेर थाने के पुलिस ने वाहन जांच के दौरान ह॥ 139 से वाहन जांच के दौरान एक ट्रक से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद किया है7इस सबंध में डीएसपी कृति कमल ने बताया कि विशेष अभियान के तहत ह॥ 139 पर कलेर थाना अध्यक्ष अविनाश कुमार के द्वारा आने जाने वाली गाड़ियों की तलाशी ली जा रही थी इसी क्रम में औरंगाबाद की ओर से चलकर आ रही एक टाटा 12 चक्का ट्रक जिसका रजि0 नं0 ॥R{IB 7382 आते हुए दिखाई दिया, जिसे पुलिस बल द्वारा रोकने का इशारा किया गया। पुलिस बल को देख कर वाहन का चालक गाड़ी तेज कर भागने लगा। जिसे पुलिस बल द्वारा पीछा कर अमीरबिगहा के समीप ट्रक को जप्त किया गया7 ट्रक को पुलिस द्वारा विधिवत तलाशी ली गयी। तलाशी के क्रम में ट्रक में खाद के 180बोरा के नीचे भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब पाया दिखाई दिया तब पश्चात पुलिस द्वारा जप्त कर थाना परिसर लाई गई जहां शराब की गिनती कि गई तो 273 कार्टून में कुल 2541 लीटर विदेशी शराब पाया गया इस संबंध में कलेर थाना कांड सं0-111/2024, दिनांक-27.08.2024, धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशो0 अधि02018 अंकित किया गया है गिरफ्तार वाहन चालक जितेन्द्र, पिता-जगत सिंह, जिला-रोहतक, राज्य-हरियाणा एवं उप चालक प्रवीण,पिता संदीप, जिला-रोहतक, राज्य-हरियाणा का रहने वाला बताया जाता है इस छापेमारी दल मे कलेर थाना अधयक्ष अविनाश कुमार, पु0अ0नि0 दिलीप कुमार पासवान, सि0 गुलाम मुस्तफा, सि0 विपिन कुमार शामिल थे

ITBP की कमान संभालेंगे DIG विकास वर्मन

शिवदीप लाण्डे को सौंपा गया सारण का प्रभार

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

सारण, सारण डीआईजी विकास बर्मन केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भेजे गये हैं। सारण डीआईजी का अतिरिक्त चार्ज मुजफ्फरपुर रेंज के आईजी शिवदीप लाण्डे को सौंपा गया है। सारण क्षेत्र के डीआईजी विकास बर्मन की सेवा आइटीबीपी के लिए बिहार सरकार ने विरमित किया है। मुजफ्फरपुर क्षेत्र के आईजी शिवदीप लांडे सारण क्षेत्र के डीआईजी के प्रभार में रहेंगे। गृह विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी की है।

अधिसूचना में इस बात का जिक्र है कि प्रतिनियुक्ति के आधार पर भारत तिब्बत सीमा पुलिस में पुलिस उप महानिरीक्षक के पद पर पद ग्रहण की तिथि से 5 वर्षों की अवधि या अगले आदेश तक जो भी पहले हो के लिए नियुक्त किये जाने के फलस्वरूप 2008 बैच के

आईपीएस विकास वर्मन पुलिस उप महानिरीक्षक सारण क्षेत्र छपरा को उक्त पद पर प्रभार ग्रहण करने के लिए वर्तमान पद का प्रभार त्याग करने की तिथि से विरमित करते हुए उनकी सेवाएं गृह मंत्रालय भारत सरकार को सौंपी जाती है।

विकास वर्मन को निर्देश दिया जाता है कि भारत तिब्बत सीमा पुलिस में योगदान कर प्रतिवेदन इस विभाग को प्रस्तुत करें। गृह विभाग की अधिसूचना में इस बात का भी जिक्र है कि विकास वर्मन द्वारा धारित पद का अतिरिक्त प्रभार अगले आदेश तक 2006 बैंच के आईपीएस शिवदीप वामनराव लाण्डे पुलिस महानिरीक्षक, तिरहुत क्षेत्र, मुजफ्फरपुर को दिया जाता है।

बता दें कि विकास वर्मन पहले पटना में डीआईजी प्रशासन के पद पर कार्यरत थे। बेहतर व्यवहार कुशल वाले IPS के रूप में उनकी चर्चा होती है। वो मूल रूप से बिहार के रहने वाले है। आईपीएस विकास बर्मन सीवान, सीतामढ़ी, नवादा, समस्तीपुर सहित कई जिलों में एसपी रह चुके हैं।

ठेकेदार ने रेलकर्मी के साथ की मारपीट

धरना पर बैठे जमालपुर कारखाना के तमाम कर्मी, बादल सिंह का टेंडर रद्द करने की मांग

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

रेलकर्मी के साथ ठेकेदार ने मारपीट की और अभद्र व्यवहार किया। इस घटना के विरोध में जमालपुर कारखाना में यूनियन के नेता और रेलवे कर्मचारी धरना पर बैठ गये और हंगामा करने लगे। घटना से गुस्साएं रेलकर्मियों ने ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करने और टेंडर रद्द करने की मांग की।

एशिया का प्रसिद्ध रेल कारखाना जमालपुर में ठेकेदार बादल सिंह के खिलाफ कार्रवाई किये जाने की मांग को लेकर रेलकर्मी धरना पर बैठ गये। बताया जाता है कि रेलकर्मी टीपीटी चालक धीरेन्द्र यादव शॉप से समान लेकर गाड़ी से जा रहा था तब 2rs - 2 शॉप के समीप ठेकेदार खुद ट्रैक्टर चलाते हुए आ रहा था और साइड देने को लेकर ठेकेदार ने रेलकर्मी के साथ अभद्र व्यवहार करने लगा और मारपीट शुरू कर दी।

जिसके बाद रेलकर्मी धीरेंद्र यादव ने ठेकेदार बादल सिंह के खिलाफ अपने अधिकारियों से शिकायत की। ठेकेदार बादल सिंह के विरोध में यूनियन और रेलकर्मी धरना पर बैठे गये और बादल सिंह का टेंडर रद्द करने की मांग करने लगे। जिसके बाद मुख्य कारखाना प्रबंधक के आश्वासन के बाद रेलकर्मियों का गुस्सा शांत हुआ। रेलकर्मियों की माँग है कि आज के बाद ठेकेदार बादल सिंह कारखाना गेट के अन्दर नहीं आए और उस पर कार्रवाई की जाए। मुख्य कारखाना प्रबंधक के आश्वासन के बाद रेलवे कर्मचारी शांत हुए और काम पर लौटे।

फूलियाकलांः जय गोपाल भवन पर उमड़ रहा है श्रद्धा का सैलाब

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

कृष्ण जन्माष्टमी पर किया गया है भगवान कृष्ण की विभिन्न लीलाओं का सजीव चित्रण, कृष्ण जन्म, कंश दरबार, माखन चोर, कृष्ण सुदामा मिलन, हरिणाकश्यप वध, जल विहार, खाटू श्याम दरबार सहित अन्य झांकियों का किया गया सजीव चित्रण, मुकेश तोषनीवाल और उनकी धर्मपत्नी सीमा देवी के निर्देशन मे सजाई गई है झांकियां, झांकियो को देखने पहुंचे हजारों की संख्या मे ग्रामीण, बरसात के बावजूद आकर्षक सजी झांकियो को देख ग्रामीण हुए गदगद,झांकी महोत्सव में अपना घर आश्रम से पधारे राज भाई और स्नेक रेस्क्यू टीम से दीपिका का जय गोपाल परिवार एवं टीम भगत सिंह आर्मी ने दुपट्टा पहना कर स्वागत सत्कार किया।

50 हजार के इनामी को STF ने सहरसा से दबोचा

इस्लामिक फाइनेंस बैंक से लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले 5 साइबर अपराधी नवादा से गिरफ्तार

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

नवादा। नवादा में इस्लामिक फाइनेंस बैंक से लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले 5 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से 16 मोबाइल, 4 आधार कार्ड, 4 वोटर आईडी कार्ड, एक पेन कार्ड बरामद किया गया है। वही सहरसा में एसटीएफ ने कार्रवाई की है। सहरसा के 50 हजार के इनामी अपराधी को दो कट्टा, पांच जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है।

नवादा साइबर थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है, जहां पुलिस ने वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के पैंगरी गांव में छापेमारी कर 5 साइबर अपराधियों को दबोच लिया है। इन लोगों के पास 16 मोबाइल, 04 पेज डाटा सीट, 04 आधार कार्ड, 04 वोटर कार्ड, एक पैन कार्ड एवं 04 एटीएम बरामद किए गए है। मंगलवार को पुलिस कार्यालय में साइबर डीएसपी ज्योति प्रिया ने प्रेस वार्ता कर यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि आर्थिक अपराध इकाई पटना द्वारा सूचना प्राप्त हुआ कि पैंगरी गांव में साइबर ठगी का काम किया जा रहा है। इसके आलोक में एसआइटी का गठन कर पैंगरी गांव में छापेमारी की गई, जहां बगीचे में बैठकर साइबर अपराधी इस्लामिक फाइनेंस बैंक से लोन दिलाने एवं जुडियो व डॉमिनोज के फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर लोगों को ठगने का काम कर रहा था। पुलिस को देखकर साइबर अपराधी भागने लगे, तभी खदेड़ कर मौके से 5 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार साइबर अपराधियों की पहचान पैंगरी गांव निवासी केदार प्रसाद का पुत्र बब्लू कुमार, नरेश प्रसाद का पुत्र पवन कुमार, किशोर प्रसाद का पुत्र शशिकांत कुमार उर्फ डब्ल्यू कुमार इसके अलावा नालंदा जिला के बिहारशरीफ थाना क्षेत्र के खंदक पर निवासी शैलेंद्र कुमार का पुत्र शशिकांत कुमार, दीपनगर थाना क्षेत्र के देवीसराय निवासी अशोक प्रसाद का पुत्र रवि कुमार के रूप में किया गया है। फिलहाल सभी गिरफ्तार साइबर अपराधियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

साइबर डीएसपी ने बताया कि मोबाइल नंबर या फिर ईमेल के माध्यम से साइबर अपराधी लोगों को कॉल करता है। इसके बाद उन्हें लोन एवं किसी कंपनी का फ्रेंचाइजी दिलाने का झांसा देता है। लोग उनके झांसे में आ जाते हैं। फिर उन्हें लोन का नकली कागजात बनाकर उन्हें भेजते हैं और 1750 रुपये का पहला प्रोसेसिंग चार्ज मांगते हैं। उसके बाद अन्य तरीके से और पैसे की मांग करते हैं। फ्रेंचाइजी देने के नाम पर रजिस्ट्रेशन फी के रूप में 02 से 03 लाख रुपये मांगते हैं। उसके बाद नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट एवं अन्य प्रोसेसिंग के लिए बड़ा रकम जैसे 05 से 06 लाख रुपये की मांग करते हैं।

वही सहरसा में बिहार एसटीएफ की टीम ने गुप्त सूचना पर सहरसा पुलिस के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए जिले के सिमरी बख्तियारपुर थाना और सोनबरसा राज थाना क्षेत्र के तुलसियाही नदी बांध से 50 हजार के इनामी अपराधी उदीश यादव को उसके एक सहयोगी राजेश कुमार के साथ गिरफ्तार कर सहरसा पुलिस को सुपुर्द किया है। कुख्यात अपराधी उदीश यादव और उसके सहयोगी पर लूट एवं आर्म्स एक्ट सहित कई कांड पूर्व से दर्ज है। वही उसके निशानदेही पर पुलिस ने सिमरी बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के भतौनी निवासी रामनरेश साह के घर छापेमारी की जिसमे रामनरेश साह फरार हो गया और घर की तलाशी में घर से दो देशी कट्टा और पांच जिंदा कारतूस बरामद किया गया। एसडीपीओ सिमरी बख्तियारपुर मुकेश कुमार ठाकुर ने बताया कि वह कई कांडो में फरार चल रहा था। एडीपीओ ने बताया कि उदीश यादव पर सिमरी बख्तियारपुर थाना में विभिन्न संगीन धाराओं के तहत छह तो राजेश कुमार पर भी सिमरी बख्तियारपुर थाना में छह से अधिक मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि आर्म्स बरामदगी को लेकर पुनः एक नया कांड दर्ज किया गया है।

दोनो गिरफ्तार अपराधी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है तो फरार अपराधी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार कई इनामी अपराधी एसटीएफ के रडार पर है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए एसटीएफ और जिला पुलिस लगातार कारवाई कर रही है।